जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *भोगल* — क्रमांक 123

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी — दिनांक 11.10.2021

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र और जनेकृविवि ने मिलकर किया अनुसंधान बैठक में एमओयू की अवधि में दिये इजाफा होने के संकेत

जबलपुर, 11 अक्टूबर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय तथा भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के मध्य वर्ष 2016 में पांच वर्षो के लिये मूंग, उड़द तथा अरहर फसल पर अनुसंधान हेतु एमओयू हस्ताक्षरित हुआ था। पांच वर्ष पूर्ण होने पर किये गये अनुसंधान का ब्यौरा ऑनलाइन प्रस्तुत किया गया। भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र की ओर से निदेशक बायों साइन्स ग्रुप डॉ. तपन घंटी, विभागाध्यक्ष नाभिकीय कृषि एवं बायोटेक्नोलाजी डॉ. टी.आर. गनपती, विभागाध्यक्ष एक्सपेरिमेटल फिल्ड फेसिलिटी सेक्सन डॉ. जे.जी. मन्जैया, विभागाध्यक्ष मूंगफली सुधार सेक्सन डॉ. आनन्द वाडीगन्नावर, ग्रुप लीडर उत्परिवर्तन प्रजनन सेक्सन–। डॉ. बी.के. दास, ग्रुप लीडर दाल सुधार सेक्सन डॉ. जे. सोफ्रामैनियन, साइडिफिक आफिसर एफ डॉ. सुमन बक्सी तथा साइडिफिक आफिसर एफ डॉ. व्ही.जे. ढोले ने इस मीटिग में भाग लिया। परियोजना प्रमुख डॉ. आर.एस शुक्ला ने एम.ओ.यू. के तहत चल रहे शोध कार्यो के पांच वर्षो का ब्यौरा उनके समक्ष प्रस्तुत किया। डॉ. शुक्ला ने बताया कि इस परियोजना के द्वारा विश्वविद्यालय को पचास लाख रूपये की राशि प्रदान की गई है जो मुख्यतः तीन फसलों (उड़द, मूंग तथा अरहर) के आनुवांशिक सुधार पर केन्द्रित है। उड़द फसल की दो किस्में जिनमें TJU-339 तथा TJU1-30 को आल इण्डिया कोआर्डिनेटेड परियोजना मुलार्प में परिक्षण हेतु प्रस्तुत किया जा चुका है। इसी कड़ी में मूंग की दो किस्में जो पिछले पांच वर्षो से अच्छा प्रदर्शन कर रही है, उन्हें भी परीक्षण हेतु अतिश्घ्रीघ भेजना सुनिश्चित किया जाना है। अरहर फसल पर शोध जारी है जो कम अवधि, रोगरोधी तथा ज्यादा उत्पादन पर किस्म विकसित करने पर केन्द्रित हैं।

कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन के निर्देशन में इस मीटिंग की शुरूआत हुई। मीटिंग के अध्यक्ष संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतु ने बताया कि मध्यप्रदेश में उगाई जाने वाली दलहनी फसलों की समस्यायों का निवारण उत्परिवर्तन विधि द्वारा सहज तरीके से संभव हो सकता है। भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र से जुड़कर विश्वविद्यालय ने बहुत अच्छी किस्में विकसित की हैं, जिनको मध्यप्रदेश के किसानों द्वारा अपनाकर लाभ आर्जित किया जा रहा है। अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय जबलपुर डॉ. शरद तिवारी तथा विभागाध्यक्ष पौध प्रजनन एवं अनुवांशिकी विभाग ने इस कार्यक्रम की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया है। भाभा अटामिक शोध संस्थान के निदेशक डॉ. तपन घंटी ने पांच वर्षो की सफलता पर प्रसन्न्ता जाहिर की और भविष्य में भी मिलजुल कर दलहनी फसलों तथा गेहूँ पर सकारात्मक अनुसंधान करने का आश्वासन दिया और सरसों फसल पर जनेकृविवि के साथ मिलकर अनुसंधान कार्य योजना शीघ्र ही बनाने की जानकारी दी। इस मौके परियोजना समन्वयक डॉ. संजय कुमार सिंह वैज्ञानिक एवं डॉ. अजय जायसवाल का परियोजना के सुचारू रूप से संचालन में अहम भूमिका रही। अन्त में डॉ. जे सोफ्रामैनियन ने अभार प्रदर्शन किया।

—000—